[illegible] मुख्य है। बाकी सारी गीता में कुछ भी नहीं है। इसको कहा ही जाता [illegible]

[illegible] यह अक्षर ठीक है। [illegible]

[illegible] अभी भगवान किसको कहा जाता है यह तो बच्चे अच्छी रीति जान गये हो। भगवान [illegible]

[illegible] को कहा जाता है। शिव बाबा आकर [illegible] परते है। [illegible]

[illegible] मीठे-2 सिकीलधे लाडले रूहानी बच्चों। सुनती तो आत्मा है नी। जानते हो हम आत्मा अविनाशी है।

[illegible] हम आत्मा अपने पिता परमपिता परमात्मा से महावाक्य सुन रहा हूँ। महावाक्य [illegible]

[illegible] को महापुरुष, पुरुषोत्तम कहते है। [illegible]

[illegible] को महात्मा नहीं कहेंगे। [illegible] शिवोऽहम् भी कहते है [illegible]

[illegible] अभी यह [illegible]

[illegible] ऐसे-2 कर्म-2 करते सुनते-2 मनुष्य कितने गन्दे बन गये है। [illegible]

[illegible] हो। [illegible] फूल में कितना फर्क है। अभी तुम बच्चे जानते हो हमको कोई मनुष्य नहीं सुना रहे है।

[illegible] पर शिव बाबा विराजमान है। वो भी आत्मा ही है। परन्तु उनको कहा जाता है परम-आत्मा। ऊँच

[illegible] ऊँच पद दिलाने वाला परमात्मा। तुमको परम-आत्मा नहीं कहा जाता। अभी पतित आत्मायें कहती है

[illegible] परमपिता परमात्मा आओ। आकर हमको पावन बनाओ। तो है ही परमपिता, परम बनाने वाला।

[illegible] पुरुषोत्तम अर्थात सभी पुरुषों में उत्तम बनते हैं। वो है ही देवतायें। तुम बच्चे ही खूब पुरुषोत्तम थे।

अभी [illegible] पतित बन गये है। इसीलिये ही पुकारते हो बाबा हमको फिर से आकर पावन बनाओ।

[illegible] बहुत मीठा है। सर्वव्यापी कह कर [illegible] देते रहते है तो मीठापन निकल जाता है। [illegible]

[illegible] बहुत प्यार से याद करते हो अन्दर में। [illegible]

[illegible] आत्माओं का परमात्मा से [illegible] प्यार है। [illegible] इतनें प्यार से [illegible]

[illegible] प्यार नहीं होता है। जानते ही नहीं है तो लव कैसे होगा? आत्मा कहती है [illegible]

[illegible] हमको परिचय दिया है। हमको पढ़ाया है। [illegible]

[illegible] भी तुम [illegible] पुकारते [illegible] कहते है नी। परन्तु [illegible]

[illegible] कुछ मिलता है उनसे लव रहता है। बाप में बच्चे का लव रहता है। क्योंकि बाप से वर्सा मिलता है।

[illegible] उतना बच्चे पर [illegible] रहता है। अगर बाप के पास कुछ भी प्रापर्टी है नहीं,

[illegible] के पास है तो वो बाप को उतना लव नहीं करेगा। [illegible] इससे पैसे मिलेंगे। लेकिन यह तो है [illegible]

[illegible] हमको बाप पढ़ाते है। यह तो बहुत ही खुशी की बात है। भगवान हमारा

[illegible] आकर हमको सृष्टि की आदि मध्य अन्त का ज्ञान सुनाते है। [illegible]

[illegible] जानने के कारण [illegible] अपने को कह देते है। जैसे [illegible] बच्चे से पूछो तुम्हारे बाप [illegible]

[illegible] उनके बाप का नाम क्या? [illegible] कह देते है हम। अब तुम बच्चे [illegible]

[illegible] हमको भी अब [illegible] बाप मिला है उनका [illegible]

[illegible] ऊँचा [illegible] है। तो बच्चों को अन्दर में खुशी रहनी चाहिये नी। [illegible]

[illegible] खुशी नहीं रहती। [illegible] प्राप्ती कुछ भी है नहीं। [illegible]

[illegible] धक्के खाते है। [illegible]-2 [illegible]-2 [illegible] जाता है। और [illegible]

[illegible] बहुत पैसे खर्च करते रहते है प्राप्ती कुछ भी नहीं है। [illegible]

[illegible] तो भारतवासी तो बहुत शाहूकार हो जाते। यह मन्दिर आदि बनाने में [illegible]

[illegible] करते है। [illegible] सोमनाथ का मन्दिर सिर्फ एक ही तो नहीं था नी। सभी राजाओं के पास मन्दिर [illegible]

तुमको [illegible] पैसे दिये थे। 5000 वर्ष पहले तुमको विश्व का मालिक बनाया था। ऐसे और कोई [illegible]

[illegible] बाप ही कह सकते है कि आज से 5000 वर्ष पहले तुमको राजयोग सिखला कर ऐसा बनाया

[illegible] गये हो। दुनिया में यह आत्मा चाहती ना कि हम [illegible] ऊँच थे फिर पुनर्जन्म लेते-2 [illegible] में आ गये हैं। पूरे इनसालवेन्ट कौड़ी मिसल आकर बन गये हैं। फिर अभी हम उस बाबा के पास जाते हैं जो ही हमको विश्व का मालिक बनाते हैं। यह एक ही यात्रा है जिसमें ही कि आत्माओं को परमात्मा मिलता है। तो अन्दर में भी लव रहना चाहिये ना। यहाँ आते हो तो खुशी में आना चाहिये कि हम उस बाप के पास जाते हैं जिनसे हमको फिर से बाबा [struck through: illegible] से विश्व की बादशाही मिलती है। वो ही बाप हमको शिक्षा देते हैं बच्चों दैवी गुण धारण करो। सर्वशक्तिवान बाप को याद करो। मैं घड़ी-2 आकर कहता हूँ कि मामेकम् याद करो तो विकर्म विनाश होंगे। दिल में यह आना चाहिये कि हम बेहद के बाप के पास आये हैं। बाप कहते हैं मैं इनकागनिटो हूँ। आत्मा भी [illegible] में इनकागनिटो है। आत्मा कहती है मैं गुप्त हूँ। बहुत छोटी बिन्दी इतने बड़े शरीर में विराजमान [illegible] इनको कोई [illegible] नहीं है। वो तो आत्मा में है। यह बातें तुम अभी जानते हो। जानते हो हम जाते हैं शिव बाबा ब्रह्मा दादा के पास। जो कि बापदादा हैं। उनसे हम मिलने जाते हैं। [illegible] हम [illegible] करते हैं। अन्दर में कितनी बेहद की खुशी होनी चाहिये। जब मधुबन आते हो अपने घर से निकलते हो तो अन्दर में गुदगुदी होनी चाहिये। हम तो जाते हैं बेहद के बाप के पास मिलने। बाप हमको पढ़ाने के लिये आया है। हमको दैवी गुण धारण करने की युक्ति बताते हैं। घर से निकलते समय अन्दर में बहुत खुशी होनी चाहिये। जैसे कन्या पति के साथ मिलती है तो उसका मुखड़ा ही खिल जाता है। अब वो मुखड़ा खिलता है दुःख पाने के लिये। तुम्हारा मुखड़ा खिलता है सदा सुख पाने के लिये। तो ऐसे बाप के पास आने से कितनी खुशी होनी चाहिये। अभी हमको बेहद का [illegible] है। सतयुग में जावेंगे फिर [illegible] हो जायेंगी। अभी तो तुम ब्राह्मण ईश्वरीय सन्तान हो। भगवान बैठ पढ़ाते हैं। वो हमारा बाप भी है। फिर टीचर बन कर पढ़ाते हैं। फिर पावन बना साथ में भी ले जायेंगे। हम आत्मा अब [illegible] घड़ी-2 रावण राज्य से छूटते हैं। अन्दर में बहुत अथाह खुशी होनी चाहिये जब कि बाप विश्व का मालिक बनाते हैं। पढ़ाई कितनी अच्छी रीति पढ़नी चाहिये। स्टुडेन्ट [illegible] रीति पढ़ते हैं वो अच्छे मार्क्स से पास होते हैं। यहाँ कहते भी हैं [illegible] हम नारायण बनेंगे। [illegible] सत्यनारायण की कथा। वो [illegible] कथायें जन्म जन्मान्तर सुनते आये हो। अभी [illegible] एक ही बार तुम सच्ची-2 सुनते हो। वो फिर भक्ति मार्ग में चला आता है। जैसे शिव बाबा ने [illegible] उसकी फिर यादगार जयन्ती मनाते आते हैं। वो कब आया क्या किया कुछ भी नहीं जानते हैं। [illegible] खाते हैं। वो भी कब आया कैसे आया कुछ पता नहीं है। कह देते कृष्णपुरी में आ जाओ। अब वो पतित दुनिया में कैसे जन्म लेगा। यह बाप बैठ समझाते हैं। बच्चों को कितनी खुशी होनी चाहिये। हम बेहद के बाप पास जाते हैं। अनुभव भी सुनाते हैं ना। इनको फलाने द्वारा तीर लगा। बाबा आये हैं बस उसी दिन से लेकर हम बाप को ही याद करते हैं। यह है तुम्हारी बड़े ते बड़ी बाप के पास आने की यात्रा। [struck through: illegible] बद्रीनारायण वा अमरनाथ पर जाते हैं। बद्रीनाथ कोई [illegible] पर आते नहीं हैं। बाबा तो [illegible] है। [illegible] के पास जाते [illegible] हैं। जैसे हम आत्मा बोलती है। [illegible] परमात्मा बाप भी बोलते हैं शरीर द्वारा। आत्मा ही सब कुछ करती है। [illegible] पार्ट बजाती है। [illegible] आत्मा ब्राह्मण बनी है। वो [illegible] पोजीशन भी तुम्हारा [illegible] है। अभी यह बाप ने सुनाया है हम आत्मा हैं। हम बाप के पास आते हैं पढ़ने के लिये। यह है [illegible] 21 जन्म के [illegible] के लिये। वो है इस जन्म के लिये। अब कौन सी पढ़ाई पढ़नी चाहिये वो कौनसा धन्धा करना [illegible] बाप कहते हैं ऐसे ही करो। सन्यासियों मिसल घर बार छोड़ जंगल में नहीं जाना है। यह तो प्रवृत्ति [illegible] है ना। दोनों के लिये है पढ़ाई। सब तो पढ़ेंगे भी नहीं कोई अच्छा पढ़ेंगे कोई कम। कोई तो

कोई को तो एकदम तीर लग जायेगा। कोई तो बाबा[illegible] करते बोलते रहेंगे। जैसे कि हर एक आत्मा [illegible] निकलती है। आत्मा पुजारियों का भी यह एक कथा है। कोई कहते हो हम समझने की कोशिश करेंगे। कोई अभी यह तो एकदम ही समझने लग जाते हैं। बस फिर गुम हो जाते हैं। कोई को तीर लगेगा तो आकर समझेंगे। कोई कहते हैं कि आते हैं हमको फुरसत नहीं है। समझो तीर लगा नहीं है। बाबा को तीर लगा [illegible] [illegible] ना। समझा कि बादशाही मिलती है। उनके आगे यह क्या है। हमको तो बाप से राजाई लेनी है। अभी बाप कहते हैं वो कब आब भी भल करो। सिर्फ एक हफ्ता यह अच्छी रीति समझो। गृहस्थ व्यवहार भी सम्भालना है। रचना की पालना करनी है। वो तो रच कर फिर भाग जाते हैं। फिर भाग जाते हैं [illegible] ठहरे बाप कहते हैं तुमने रचा है तो फिर अच्छी रीति सम्भालो भी। समझते हैं [illegible] बच्चा तुम्हारा कहना मानते हैं तो सपूत है। नहीं समझते हैं तो कपूत है। सपूत और कपूत का पता पड़ जाता है ना। बाप भी कहते हैं तुम बाप की श्रीमत पर चलेंगे तो श्रेष्ठ बनेंगे। नहीं तो वर्सा नहीं मिल सकेगा। [illegible] का सपूत बच्चा का नाम बाला करो। तीर लग गया फिर तो करेंगे यह अभी तो हम स्टडी करा रहे हैं। [illegible] आये हैं शिवबाबा से जन्म तो कौन निभागा कम्बख्त होगा जो वैराग्य में रहना चाहेगा। [illegible] में लाने लिये फिर लायक बनना है ना। मेहनत है। समझो कोई के पति ने आकर दूसरी शादी की थी। फिर अभी याद करते हैं तो बुलाते हैं तो जा सकते हो। बोलो अब शिव बाबा को याद करो। मौत सामने खड़ा है। कल्याण तो उनका भी करना है ना। बोलो अब बाप को याद करो। तो विकर्म विनाश होंगे। पियर और ससुर घर का उद्धार करना है। जब कि बुलावा होता है तो फर्ज है कि उनका भी कल्याण करें। रहम दिल बनना चाहिये। साधु सन्त आद कोई भी हो बोलो यह है [illegible] [illegible] [illegible] का बाप तो एक ही है। तो एक ही भगवान है। वो कहते हैं हे बच्चे तुम मूल वतन में पवित्र थे। अभी तो यह दुनियाँ ही पतित है। तब ही पुकारते हैं कि हे पतित पावन आओ। मनुष्य पतित तमोप्रधान हैं तो दुनियाँ भी तमोप्रधान है। यह सतोप्रधान दुनियाँ में मनुष्य भी सतोप्रधान थे। [illegible] [illegible] [illegible] से फिर पुरानी जरूर होती है। उसको स्वर्ग इनको नर्क कहा जाता है। नर्क में सभी पतित आत्मायें [illegible] तो गंगा में स्नान कर पावन होने जाते हैं तो भक्ति ठहरे ना। पहले तो समझो कि हम पतित हैं। [illegible] [illegible] पावन बनना है। बाप आत्माओं को कहते हैं मुझे याद करो। तो तुम्हारे पाप मिट जायेंगे। साधु सन्त आद जो भी हैं सबको यह पैगाम दो कि बाप कहते हैं कि मुझे याद करो। इस [illegible] से आत्मा पाप की खाद से हमारी खाद निकलती जायेगी। बाप कहते हैं पाप नाश हो जायेंगे। तुम पावन बन कर मैं पास आ जायेंगे। मैं तुम सबको साथ ले जाऊँगा जैसे बिच्छू [illegible] है चलता जाता है जहाँ नर्म चीज देखता है तो उसे डंक मार देता है। पत्थर को डंक मार करके क्या करेंगे तुम भी बाप का परिचय दो। यह भी बाप ने समझाया है कि मेरे भक्त [illegible] हैं। शिव के मन्दिर में, [illegible] के मन्दिर में। [illegible] के मन्दिर में। [illegible] [illegible] भी भक्ति करते रहते हैं। तुम तो बच्चे हो ना। बाप से राज्य लिया था। अब पूज्य से पुजारी बन गये हो। देवताओं के भक्त हैं ना। नम्बरवन हैं शिव की अव्यभिचारी भक्ति। फिर गिरते-2 अभी तो भूत पूजा में जाकर लगे हैं। शिव के पुजारियों को समझाने में सहज होगा यह सभी आत्माओं का बाप शिव बाबा है। स्वर्ग का वर्सा देते हैं। अभी बाप कहते हैं मुझे याद करो तो विकर्म विनाश हों [illegible] तुम्हारे पाप का पैगाम देते हैं। भक्ति से दुर्गति ही हुई है। अब बाप कहते हैं। पतित पावन ज्ञान का सागर मैं ही हूँ। ज्ञान भी सुना रहा हूँ पावन बनने लिये योग भी सिखला रहा हूँ। आत्मा तन से [illegible] है रही है। मुझे याद करो। अपने 84 जन्मों को याद करो। भारतवासियों ने ही 84 जन्म लिये हैं। तुमने बहुत मिट्टी मन्दिरों में। और फिर पुरुष के [illegible] पर जाते हैं। [illegible] भी तुम [illegible] [illegible] [illegible] गयी है की परमात्मा? हरिद्वार में जाओ। बनारस में जाते हैं। वो याद सिर्फ ब्रह्म

[illegible] गंगा जल का कितना मान रखते हैं। ऐसे ही पानी में [illegible] पड़ता रहता है। तो बच्चों को यह खुशी रहनी चाहिये हम किसके पास जाते हैं। है कितना साधारण। कुछ बड़ाई दिखाये शिव बाबा क्या करे जो यह बहुत आदमी दिखाई देवे। सन्यासियों के कपड़े तो पहन नहीं सकते। बाप कहते मैं साधारण तन लेता हूँ। [illegible] राय जो कि मैं क्या करूं। इस रथ का क्या सिंगारें। जो हुसैन का घोड़ा निकालते हैं उनको शृंगारते हैं। यहाँ शिव बाबा का रथ फिर बैल बना दिया है। बैल के मस्तक में मोटे-2 शिव का चित्र दिखाते हैं। अब शिव बाबा बैल में कहाँ से आवेगा। मन्दिर में बैल कहाँ से आकर रखा है। शंकर की सवारी कहते हैं, तो सूक्ष्म वतन में शंकर सवारी होती है क्या। यह है सब भक्ति मार्ग। बाप कहते हैं यह भक्ति की दुनिया में [illegible]। शान्ति धाम सुखधाम फिर यह है दुःखधाम। यह ज्ञान आगे थोड़ेही कोई में था। अभी समझते हो हम कल्प-2 बाबा से आकर यह ज्ञान लिया है। आत्मा में 84 जन्मों का पार्ट नूंधा हुआ है। यह बहुत वन्डर है। फिर उसको कुदरत भी कहा जाता है। कितनी छोटी बिन्दी है आत्मा, और पार्ट बजाने लिए शरीर कितना बड़ा मिलता है। वन्डर है ना। यह वन्डरफुल ज्ञान है। जैसे बाबा भी वन्डरफुल है। [illegible] कितनी बड़ी करते हैं। लिंग कितना बड़ा बनाते हैं। पाण्डवों के भी बहुत बड़े-2 चित्र बनाते हैं। ऐसे कोई मनुष्य होते थोड़ेही हैं। ना इतनी भुजाओं वाली कोई देवियाँ आद होती हैं। ब्रह्मा को कितनी भुजायें दे देते हैं। अब ब्रह्मा के तुम ढेर बच्चे हो ना। ब्र.कु.कु. बढ़ते ही जाते हैं। तो भुजायें भी बढ़ती जाती हैं। बाकी भुजायें तो हर एक को अपनी ही दो हैं ना। यह सब अनेक प्रकार की कथायें हैं। कोई बात भी नहीं है। अब मूल बात कि तुम बच्चों को बहुत खुशी होनी चाहिये कि हम बाबा से विश्व के मालिक बनते हैं। ऐसे बाप को याद करना है बारम्बार। कहते हैं सदैव खुशी में यह स्मरण करते रहो परन्तु बाप को याद करना पड़ता है कि विकर्म विनाश हो जायें। इसमें ही मेहनत लगती है। बार-2 तुम भूल जाते हो। तुम बच्चे जानते हो हम पवित्र बन रहे हैं। फिर हम नई दुनिया में चले जायेंगे। अभी है पुरानी दुनिया। मनुष्य समझते हैं अभी 40 हजार वर्ष पड़े हैं। इसलिए ही कहा जाता है कि अज्ञान कुम्भकरण की नींद में सोये पड़े हैं। आग लगेगी फिर इकट्ठे-2 सब खत्म हो जायेंगे। आज इतने करोड़ मनुष्य हैं कल सब [illegible] विनाश विनाश हो जायेंगे। बाकी भारत ही रहेगा। वहाँ तो रहते ही गंगा नदी पर हैं। प्रकृति भी दासी हो जाती है। वो है ही [illegible] की दुनिया। भक्ति मार्ग में है ही अन्धश्रद्धा। जनावरों से भी बदतर है। तुम भी अभी समझते हो हम बन्दर, [illegible] कुत्ता, थे। रौरव नर्क में थे। अब बाप पावन बनाने आये हैं। तुम्हारी यह है खुशी योग की यात्रा। उन्होंने फिर भी जिस्मानी यात्रा समझ ली है। बाबा ने रूहानी यात्रा सिखाई है। सिर्फ कहते हैं मुझे याद करो तो अन्त मति सो गति हो जायेगी। याद करते-2 आत्मा पवित्र बन शरीर को छोड़ चली जायेगी। सतयुग में भी बैठे-2 आत्मा शरीर छोड़ देती है। [illegible] पीटने का अथवा रोने का कोई नाम नहीं है। भारत अमरलोक था ना। यह भी किसी को पता नहीं है। समझते हैं शंकर ने पार्वती को अमर कथा सुनाई। यह किसी को भी पता नहीं है कि यह मृत्युलोक है। तुम्हारे में भी बहुत बच्चे भूल जाते हैं। अमरलोक को याद भी नहीं करते हैं। हमको जाना है बाबा शान्ति धाम। तुम बच्चों को तो अपार खुशी होनी चाहिये। बाबा भगवान हमको पढ़ाते हैं। ~~एक ही पढ़ाई है उससे~~ भी पहले-2 मुख्य बात बाप को याद करो तो भूलना लगा हुआ है कि हम पावन कैसे बनें। तुम शिव बाबा पास आये हो जानते हो बाबा हमको फिर से पढ़ाने आये हैं भारत अविनाशी खण्ड है ना इसका कब भी विनाश नहीं होता। तुम्हारा राज्य जब होगा तो दूसरा कोई राज्य नहीं होगा। आत्मा का भी समझाया है वो बिन्दी [illegible] होने पर तो कुछ समझेंगे ही नहीं। [illegible] हुआ। [illegible] कुल के लिए [illegible] है। उनको कोई मुक्ति जीवनमुक्ति नहीं मिलती। यही तुम्हारी ऐम आब्जेक्ट सामने रखी है। पढ़ाई [illegible]। अच्छा मीठे-2 बाप की और दादा की याद प्यार। ओम